प्र० :- अवलोकन किसे कहते हैं? इसके प्रकारों की चर्चा करें।

डॉ० सुनीता कुमारी
सहायक प्राध्यापक
समाजशास्त्र विभाग
आर०बी० कॉलेज, दलसिंहसराय

B.A. Part - II
Paper - IV

⇒ अवलोकन शब्द अंग्रेजी भाषा के शब्द observation का पर्यायवाची है। जिसका अर्थ देखना, प्रेक्षण, निरीक्षण अर्थात कार्य-कारण एवं पारस्परिक सम्बन्धों को जानने के लिए स्वाभाविक रूप से घटित होने वाली घटनाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण है। प्रो० गुडे एवं हट के अनुसार विज्ञान निरीक्षण से प्रारम्भ होता है और फिर सत्यापन के लिए अन्तिम रूप से निरीक्षण पर ही लौटकर आता है।

सी० ए० मोजर ने अपनी पुस्तक "सर्वे मैथड्स इन सोशल इन्वेस्टीगेशन" में स्पष्ट किया है कि अवलोकन में कानों तथा वाणी की अपेक्षा नेत्रों के प्रयोग की स्वतंत्रता पर बल दिया जाता है। अर्थात यह किसी घटना को उसके वास्तविक रूप में देखने पर बल देता है।

श्रीमति यंग लिखती है कि
"अवलोकन स्वतः विकसित घटनाओं का उनके घटित होने के समय ही अपने नेत्रों द्वारा व्यवस्थित तथा जानबूझ कर किया गया अध्ययन है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि अवलोकन में अवलोकनकर्ता अध्ययन क्षेत्र में स्वयं उपस्थित होकर घटनाओं को देखता है समझता है। यह एक प्रत्यक्ष विधि है।

अवलोकन के प्रकार

अध्ययन की सुविधा के लिए निरीक्षण को कई भागों में बाँटा जा सकता है, जो निम्न है -

1) अनियन्त्रित निरीक्षण (Un-controlled observation)
2) नियन्त्रित निरीक्षण (controlled observation)
3) सहभागी निरीक्षण (Participant observation)
4) असहभागी निरीक्षण (Non-participant observation)
5) अर्द्ध-सहभागी निरीक्षण (Quasi-Participant observation)
6) सामूहिक निरीक्षण (Mass observation)

अनियन्त्रित अवलोकन :- ऐसे निरीक्षण को कहते है जिसमें उन लोगों पर किसी प्रकार का नियंत्रण न हो जिनका अनुसंधानकर्ता निरीक्षण कर रहा है। इस प्रकार के अवलोकन में अवलोकन की जाने वाली घटना को बिना प्रभावित किए हुए उसे उसके स्वाभाविक रूप में देखने का प्रयास किया जाता है। इसलिए गुडे एवं हाट इसे साधारण अवलोकन कहते हैं। समाज विज्ञानों में इस अवलोकन को स्वतंत्र अवलोकन भी कहा जाता है।

सामाजिक अनुसंधानों में अनियंत्रित अवलोकन पद्धति ही सर्वाधिक प्रयुक्त होती है।

अनियंत्रित अवलोकन की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार है—

1) अवलोकनकर्ता पर किसी भी प्रकार का नियन्त्रण नहीं लगाया जाता है।
2) घटना का स्वाभाविक परिस्थिति में अध्ययन किया जाता है।
3) यह अत्यन्त सरल एवं लोकप्रिय विधि है।

Scanned by CamScanner

अनियंत्रित अवलोकन के कुछ दोष हैं जो इस प्रकार है-

1) अवलोकनकर्ता इस विश्वास से प्रभावित हो सकता है कि उसने जो कुछ अपनी आँखों से देखा है, वह सब सही है। परिणामस्वरूप त्रुटियाँ, भ्रान्तियाँ आदि की सम्भावनाएं बढ़ जाती हैं।

2) कभी-कभी अनावश्यक तथ्य भी संकलित हो जाते हैं।

3) घटनाओं को देखते समय अवलोकनकर्ता तथ्यों का लेखन नहीं कर पाता अतः आवश्यक घटनाएं छूट भी जाती हैं।

नियंत्रित अवलोकन

नियंत्रित अवलोकन में अवलोकनकर्ता पर तो नियंत्रण होता ही है साथ ही साथ अवलोकन की जाने वाली घटना अथवा परिस्थिति पर भी नियन्त्रण किया जाता है। इस प्रकार के अवलोकन में दो तरह से नियंत्रण किया जाता है -

1) सामाजिक घटना पर नियंत्रण -

जिस तरह प्राकृतिक विज्ञानों में प्रयोगशाला में परिस्थितियों को नियंत्रित करके अध्ययन किया जाता है, उसी प्रकार समाज वैज्ञानिक भी सामाजिक घटनाओं को नियंत्रित करके उनका अध्ययन करते हैं। इस प्रविधि का प्रयोग बालकों के व्यवहार, आदि के अध्ययन में प्रयुक्त किया जाता है।

Scanned by CamScanner

(5) अवलोकनकर्ता पर नियंत्रण – इसमें घटना पर नियंत्रण न रखकर अवलोकनकर्ता पर नियंत्रण लगाया जाता है। यह नियंत्रण कुछ साधनों द्वारा संचालित किया जाता है जैसे – अवलोकन अनुसूची, प्रश्नावली, विस्तृत कार्य योजना, फोटोग्राफी, नोट्स व डायरी, टेप रिकार्डर आदि।

सहभागी अवलोकन

सहभागी निरीक्षण की अवधारणा का प्रयोग सर्वप्रथम एडवर्ड लिण्डमैन ने अपनी पुस्तक में किया था उसके बाद ही सहभागी निरीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रविधि के रूप में लोगों के सामने आया, पी० एच० मान ने लिखा है "सहभागी अवलोकन शब्द का तात्पर्य एक ऐसी दशा से है जिसमें अवलोकनकर्ता अध्ययन किए जाने वाले समूह का वास्तविक सदस्य बन जाता है। कर्ता – सहभागी में तो अवलोकनकर्ता अध्ययन किए जाने वाले समूह में जा कर रहने लगता है उस समूह की सभी क्रियाओं में एक सदस्य की तरह भाग लेता है समूह के सदस्य भी उसे स्वीकार कर लेते हैं और उसे अपने समूह का सदस्य मान लेते हैं।

श्री जॉन हॉवर्ड जेल में रहने वाले कैदियों का अध्ययन करने के लिए अनेक वर्षों तक जेल में कैदियों के साथ ही रहे।

असहभागी अवलोकन

यह विधि सहभागी अवलोकन के विपरीत है। इसमें निरीक्षणकर्ता सामुदायिक जीवन में स्वयं प्रवेश करने के बजाए उसके बाह्य पहलुओं का ही निरीक्षण करता है। इसमें अवलोकनकर्ता अध्ययन समूह के बीच उपस्थित रहते हुए भी उनके क्रियाकलापों में भागीदारी नहीं निभाता बल्कि पृथक रहते हुए एक अजनबी की भाँति घटनाओं को देखता सुनता है तथा उनका अवलोकन करता है।

अर्द्धसहभागी अवलोकन

→ अर्द्धसहभागी अवलोकन सहभागी एवं असहभागी अवलोकन दोनों का समन्वय है। इसमें अवलोकनकर्ता परिस्थिति, आवश्यकता और घटनाओं की प्रकृति के अनुसार कभी अध्ययन समूह में सहभागिता निभाते हुए सूचनाएँ एकत्रित करता है और कभी उससे अलग या पृथक रहकर एक अजनबी के रूप में सूचनाएँ एकत्रित करता है।

सामूहिक अवलोकन

– सामूहिक अवलोकन में अध्ययन की जाने वाली घटना के विभिन्न पक्षों का अनेक विषय-विशेषज्ञों द्वारा अवलोकन किया जाता है। इसमें सभी अवलोकनकर्ताओं के कार्य को बाँट दिया जाता है और उनके कार्यों का समन्वय एक केन्द्रीय संगठन द्वारा किया जाता है।

Scanned by CamScanner

सामूहिक अवलोकन का प्रयोग १९३७ में इंग्लैण्ड में वहाँ के निवासियों के जीवन, स्वभाव व क्रियाओं के अध्ययन हेतु किया गया था।

Sunita Kumari

24/9/20